HINDUSTAN Page 11

पढ़ाई के लिए फॉर्मूला तैयार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ई-संवाद में कहा कि कोरोना संक्रमण के बीच जब संस्थान खुलेंगे तो सोशल डिस्टेंसिंग के साथ किस तरह छात्रों को बुलाया जाए, इसका फार्मूला लविवि ने तैयार किया है। अभी तक छात्र क्लास रूम में पढ़ने आते थे और होमवर्क घर पर करते थे। लेकिन अब छात्र कक्षाएं घर पर करेंगे और एसाइनमेंट व विषयों से जुड़े सवाल शिक्षकों से संस्थान में आकर करेंगे। इससे सोशल डिस्टेंसिंग भी बनी रहेगी और छात्रों की समस्या भी हल हो जाएगी। फॉर्मूले को अगले सत्र से लागू करने का विचार है।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि लविवि एक पारम्परिक संस्थान है। यहां पर साहित्य, भाषा, कल्चर समेत मॉडर्न साइंस आदि विषय भी पढ़ाए जाते हैं। ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करना यहां पर एक चुनौती से कम नहीं था। छात्रों से जुड़ने के लिए विवि ने अपने

लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय

यहां 'थ्री सी' मॉडल कंडक्ट ऑफ क्लास, क्रिएशन ऑफ कनविट, कनेक्ट विद स्टूडेंट लागू किया। सभी 49 विभागों के अपने यूटयूब चैनल हैं। जहां पर वृहद स्तर पर ई-कंटेट पढ़ने के लिए मौजूद है। ओपन एक्सेस मॉडल लागू किया गया है। इसमें शिक्षक अपना कंटेंट वेबसाइट पर अपलोड करते हैं और समय-समय पर अपडेट करते हैं। वृहद स्तर पर लागू करके इससे रेवन्यू भी अर्जित कर सकते हैं।

AMAR UJALA MY CITY Page 2

लविवि ने शुरू किया नया एमबीए कोर्स

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए सत्र 2020-21 से इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में नया कार्यक्रम एमबीए (उद्यमिता और पारिवारिक व्यवसाय) शुरू किया है। यह पाठ्यक्रम दो साल का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर पेशेवर कार्यक्रम है। इसे भारतीय अर्थव्यवस्था और एमएसएमई क्षेत्र के पुनरुत्थान के लिए बनाया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व विशेष अधिकारी प्रबंधन विज्ञान संस्थान प्रो. एमके अग्रवाल ने सोमवार को इसकी शुरुआत की। प्रो. राय ने कहा कि एमएसएमई, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं और 'आत्मनिर्भर भारत' उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और पारिवारिक व्यवसाय के विस्तार के साथ संभव है। यह एमबीए प्रोग्राम न केवल युवा उद्यमियों को स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रशिक्षित करेगा, बल्कि मौजूदा पारिवारिक व्यवसायों के साथ उन लोगों के कौशल को भी सामाजिक रूप से संवेदनशील बिजनेस लीडर्स बनने में सक्षम बनाएगा। जो अपने परिवार के व्यवसाय को अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने में सक्षम होंगे। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि यह कोर्स नई पीढ़ी को परिवार और सामाजिक जरूरतों के लिए बनाए गए वैचारिक ढांचे के एक सेट के साथ व्यवस्थित रूप से तैयार करेगा। इस कार्यक्रम को कई नवीन शिक्षण विधियों जैसे इनक्यूबेशन सेंटर, हैंड्स ऑन ट्रेनिंग और बौद्धिक संपदा अधिकार सेल के साथ जोड़ा जाएगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था और एमएसएमई क्षेत्र का पुनरुत्थान है कोर्स का मकसद

DAINIK JAGRAN Page 4 & 5

बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए सभी जिलों में नोडल अधिकारी

राज्य ब्यूरो, **लखनऊ** : बीएड कोर्स में दाखिले के लिए नौ अगस्त को होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। कमेटी में डीआइओएस व डीएम द्वारा नामित एक अधिकारी भी शामिल होगा। बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा की जिम्मेदारी लखनऊ विश्वविद्यालय को दी गई है। प्रमुख जिलों में जिन्हें नोडल अधिकारी बनाया गया है, उनमें राजधानी में लविव के प्रोफेसर ध्रुव सेन सिंह, कानपुर में डॉ.संदीप कुमार सिंह, आगरा में डॉ.संजीव कुमार, नोएडा में डॉ.दिव्यानाथ, मेरठ में डॉ.पीके मिश्रा, प्रयागराज में डॉ.चंद्र प्रकाश, डॉ. सुनील कुमार सरोज व डॉ.आनंद शेखर सिंह और वाराणसी में प्रो.आरपी सिंह व डॉ.अवधेश कुमार को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

09 अगस्त को प्रदेश भर में होगी प्रवेश परीक्षा

उद्यमिता व पारिवारिक व्यवसाय में एमबीए प्रारंभ

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस ने एमबीए (उद्यमिता और पारिवारिक व्यवसाय) शुरू किया है। यह पाठ्यक्रम दो साल का होगा। इसका मकसद आत्मनिर्भर भारत अभियान के जरिए एमएसएमई क्षेत्र के पुनरुत्थान को सक्षम बनाना बताया गया। (जासं)

AMRIT VICHAR Page 3

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज कोर्स एलयू में शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के एमबीए (उद्यमिता और पारिवारिक व्यवसाय) कोर्स शुरू किया है। यह पाठ्यक्रम दो साल का, एक पूर्णकालिक स्नातकोत्तर पेशेवर कार्यक्रम है जो कि "आत्मनिर्भर भारत" से प्रेरित है। यह भारत में अर्थव्यवस्था और एमएसएम. ई क्षेत्र के पुनरुत्थान को सक्षम करने के लिए बनाया गया है। यह तथ्य रहा है कि एमएसएम ई.,भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं और "आत्मानिभर भारत" उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और व्यवसाय के विस्तार के साथ संभव है। प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह एम.बी.ए. प्रोग्राम न केवल युवा उद्यमियों को स्टार्ट अप शुरू करने के लिए प्रशिक्षित करेगा, बल्कि मौजूदा पारिवारिक व्यवसायों के साथ उन लोगों के कौशल को सामाजिक रुप से संवेदनशील विजेनेस लीडर्स बनेने में सक्षम बनाएगा।

PIONEER Page 3

आत्मनिर्भर भारत के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय एमबीए में शुरू करेगा नया कोर्स

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज द्वारा सत्र 2020-21 से एमबीए (उद्यमिता और पारिवारिक व्यवसाय) शुरू किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम दो साल का एक पूर्णकालिक स्नातकोत्तर पेशेवर कार्यक्रम है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए स्पष्ट कॉल आत्मनिर्भर भारत से प्रेरित है। यह कोर्स भारत में अर्थव्यवस्था और एमएसएमई क्षेत्र के पुनरुत्थान को सक्षम करने के लिए बनाया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के विशेष अधिकारी प्रो मनोज अग्रवाल ने बताया कि एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं और आत्मानिभर भारत उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और पारिवारिक व्यवसाय के विस्तार के साथ संभव है। उन्होंने यह प्रोग्राम न केवल युवा उद्यमियों को स्टार्ट अप शुरू करने के लिए प्रशिक्षित करेगाए बल्कि मौजूदा पारिवारिक व्यवसायों के साथ उन लोगों के कौशल को भी सामाजिक रूप से संवेदनशील बिजनेस लीडर्स बनने में सक्षम बनाएगा जो अपने परिवार के व्यवसाय को अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने में सक्षम होंगे। यह नई पीढ़ी को परिवार और सामाजिक जरूरतों के लिए बनाए गए वैचारिक ढांचे के एक सेट के साथ व्यवस्थित रूप से तैयार करेगा जिसके कारण वे और अधिक सफल हो। इस कार्यक्रम को कई नवीन शिक्षण विधियों जैसे कि इनक्यूबेशन सेंटरए हैंड्स ऑन ट्रेनिंग और बौद्धिक संपदा अधिकार सेल के साथ जोड़ा जाएगा जिसके कारण प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल में पेटेंट की संख्या विकसित होगी।